

05 जुलाई, 2025
आषाढ़, शुक्रवार, दशमी
संवत् 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओडिशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

अंबा प्रसाद और
करीबियों के यहाँ
छापा, 15 लाख
बरामद

रांची

शनिवार, वर्ष 10, अंक 255

आजाद सिपाही



RAMADA
BY WYNDHAM

CLUB1

Now open in your city Ranchi



	Rooms Largest rooms in the city
	Restaurants Star-Class Vegetarian Dining
	Atrium 24X7 Lobby lounge cafe
	Ballroom City's Tallest Pillarless Ballroom
	Conference Space built for sharp thinking.
	Pool All-weather pool, Kids pool
	Health Centre Large gymnasium with yoga centre
	Squash Fitness level - squash court
	Billiards Chill Vibes, Sharp Shots, Full Focus
	Party Halls Vibes for Every Occasion
	kids play Let the little ones laugh, play, and enjoy.
	Sky Loop Ranchi's First Skywalk Experience
	Sugar Spoon Ice Cream Parlour and Bakery
	Gaming zone Chess, Carrom, Foosball, Ludo, Table Tennis etc



Ramada By Wyndham, Ranchi

Club1

A unit of Shakambari Builders Pvt. Ltd.
Managed by Nile Hospitality

+91- 6513526600, +91- 9241825961

www.ramadabywyndhamranchi.com

Rameshwaram Lane, Bariatu Road, Ranchi 834009

Scan to follow us



Scan For Location



Instagram



Facebook



पूरी तरह उफान पर है बिहार के मिथिलांचल का सियासी माहौल

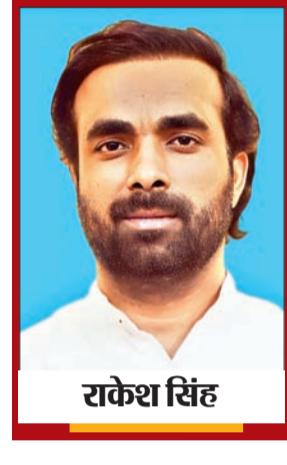
- एक सौ विधानसभा सीटों वाले इस इलाके के समीकरण सभी के लिए अहम
- बिहार की सत्ता का ताला इसी इलाके पर जीत हासिल करने से खुलता रहा है

बिहार के आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तमाम राजनीतिक दल अपना-अपना समीकरण फिट करने में लगे हुए हैं। इस दौरान बिहार के मिथिलांचल पर खास ध्यान दिया जा रहा है, व्याकों की कथा जाता है कि बिहार की सत्ता का ताला इसी इलाके पर जीत के साथ खुलने का झिलियास रहा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से एक सौ सीटें मिथिलांचल से हैं, जो इसे सत्ता की दौड़ में निर्णायक बनाती है। यह क्षेत्र उत्तरी बिहार का एक बड़ा हिस्सा है, जिसमें दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर और

सीतामढी जैसे जिले शामिल हैं, जो परंपरागत रूप से एनडीए के लिए मजबूत गढ़ रहे हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए ने दरभंगा जिले की सभी नौ सीटें जीती थीं। लेकिन मिथिलांचल की सियासत के साथ एक खास बात यह है कि इस इलाके ने कभी किसी एक

दल या गठबंधन का समर्थन नहीं किया, क्योंकि यहाँ का सामाजिक समीकरण अपने-आप में विशिष्ट है। मिथिलांचल में ब्राह्मण, राजपूत, यादव, अति पिछड़ा वर्ग और दलित समुदायों की महत्वपूर्ण आबादी है। इनके अलावा मुस्लिम गोटर भी यहाँ रहे हैं। आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह

की सियासी धारा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मिथिलांचल की सियासत का इतिहास बताता है कि ब्राह्मण और मुस्लिम वोटरों की गोलबद्दी ही यहाँ के चुनाव परिणाम को तय करते हैं। इसलिए इस बार एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही मिथिलांचल पर खास ध्यान दे रहे हैं। 'एग-पग पोखरि माछ मछान, मधुर बोल मुस्की मुख पान' वाले मिथिलांचल में इस बार क्या है सियासी माहौल और क्या है चुनावी संभावनाएं, बता रहे हैं।



राकेश सिंह

महागठबंधन को जबरदस्त हार का समाना करना पड़ा था, जबकि एनडीए विशेषकर बीजेपी को शानदार कामयाबी प्रिली थी। लिहाजा इस बोट बैंक को इंटर्न रखते हुए नये मवादाओं को जोड़ना भी एनडीए का लक्ष्य है। यहीं वजह है कि बीजेपी के साथ-साथ तमाम घटक दल भी मिथिलांचल के लिए पसीना बहा रहे हैं।

मिथिलांचल में एक सौ सीटें

मिथिलांचल और उत्तर बिहार की करीब एक सौ विधानसभा सीटें इस क्षेत्र में आती हैं। कहते हैं कि इस इलाके में जीत हासिल करने वाला ही बिहार की सत्ता पर जीत का मलबल ही सत्तासार्थी होने का प्रमाण पाना होता है। पिछले इस बार के लिए महागठबंधन ने एनडीए को कड़ी चुनौती दी थी, लेकिन इसी क्षेत्र में वह काफी पिछे रह गये, जिस वजह से वह सत्ता में नहीं आ पाये। वहाँ बीजेपी और जेडीयू ने शानदार कामयाबी हासिल करते हुए सत्ता में वापसी की।

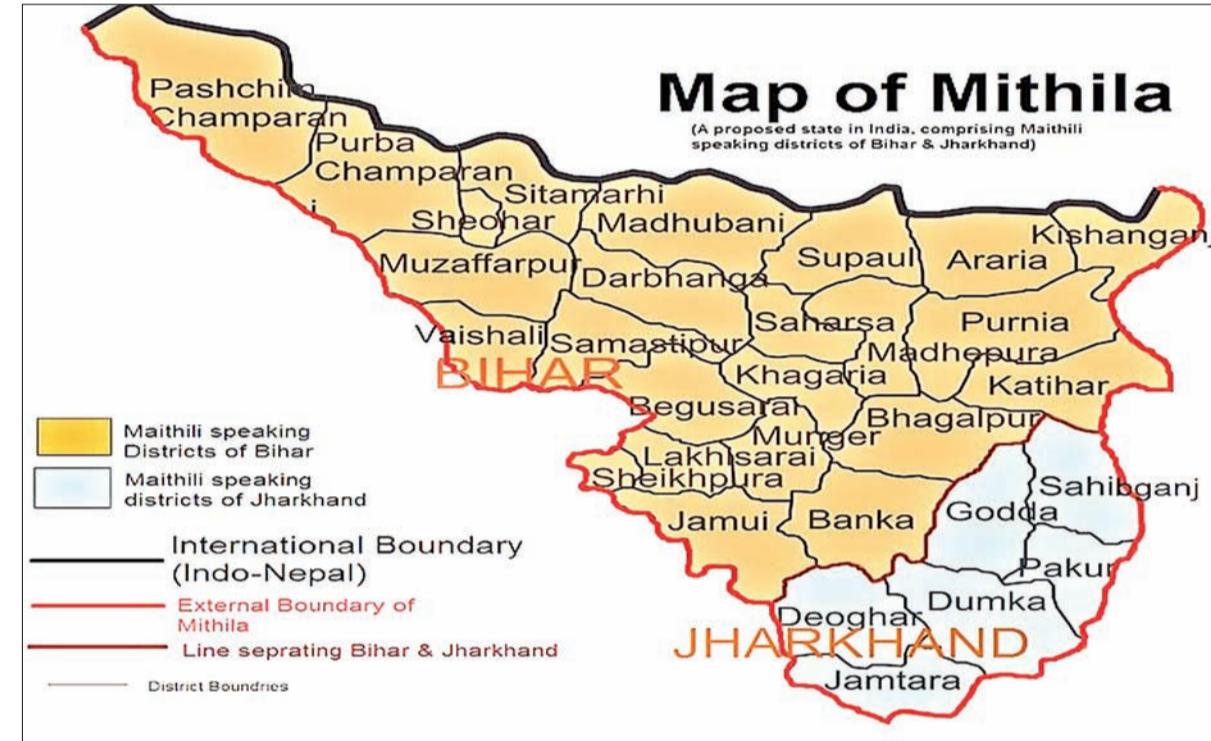
2024 में एनडीए की एकतरफा जीत

लोकसभा चुनाव 2024 में भी एनडीए की एकतरफा जीत हुई।

मिथिलांचल में आजेडी का खाता भी नहीं खुला, जबकि कांग्रेस सिंकॉर्पेशन सीट ही जीत पायी, वहाँ यूपीया में निर्दलीय पप्यू यादव को जीत मिली। बीजेपी ने जहाँ मधुबनी, दरभंगा, उजियारपुर, मुजफ्फरपुर और अरिया में जीत हारी जानी दिखा दी है। तेजस्वी यादव ने भी पिछले दिनों मिथिलांचल की दौड़ में भी एसे में सबल उठाता है कि आखिर क्यों दोनों गठबंधनों के लिए मिथिलांचल इतना महत्वपूर्ण है।

क्यों जरूरी है मिथिलांचल

पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में मिथिलांचल में



हासिल की, वहाँ झाङ्गारपुर, सीतामढी, शिवहर, मधुपुरा और सुखौल में जेडीयू को जीत मिली। समस्तीपुर (सुरक्षित) और खांडिया में चिराग पासवान की एलजेपी (आर) को सफलता मिली।

2024 में एनडीए की एकतरफा जीत

लोकसभा चुनाव 2024 में भी एनडीए की एकतरफा जीत हुई।

मिथिलांचल का क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसके तहत मिथिला का मुख्य इलाका तो शामिल है ही, इसके अलावा कोसी और सीमांचल भी इसी में आता है। ऐसे में ब्राह्मण, यादव और मुस्लिम मतदाता उम्मीदवारों की जीत हारी जानी दिखा दी है। तेजस्वी यादव ने भी पिछले दिनों मिथिलांचल की दौड़ में भी एसे में सबल उठाता है कि आखिर क्यों दोनों गठबंधनों के लिए मिथिलांचल इतना महत्वपूर्ण है।

मिथिलांचल का क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसके तहत मिथिला का मुख्य इलाका तो शामिल है ही, इसके अलावा कोसी और सीमांचल भी इसी में आता है। ऐसे में ब्राह्मण, यादव और मुस्लिम मतदाता उम्मीदवारों की जीत हारी जानी दिखा दी है।

ब्राह्मण और राजपूत पारंपरिक रूप से भारतीय जनता पार्टी के कारोबार और कांग्रेस के बीच बहुत बड़ा है। इस वजह से नीतीश कुमार जिस गठबंधन में रहते हैं, उनके कुछ हड्डे तक यादव मतदाता जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के बीच बंटते हैं।

1989 के राम मंदिर आंदोलन के बाद से ब्राह्मण और मुस्लिम समुदायों का ध्वनीकरण हुआ, जिसने भाजपा को इस क्षेत्र में मजबूत किया। मिथिलांचल में मुस्लिम वोटर आजेडी के साथ रहते हैं। हालांकि अब पिछड़ी जातियों को गोलबंदी जेडीयू के साथ रहती है। इस वजह से नीतीश कुमार जिस गठबंधन में रहते हैं, उनके कुछ हड्डों की जीत की संभावना बढ़ जाती है।

पिथिलांचल मैथिली भाषा और अन्य क्षेत्रों का अपने पक्ष में करने की कोशिश करते हैं। इस तहत क्षेत्र जातीय और धार्मिक समीकरणों का एक जटिल मिश्रण है।

पिथिलांचल मैथिली भाषा और संस्कृति का केंद्र है, जो इसे बिहार के अन्य क्षेत्रों से अलग करता है।

मिथिलांचल में जातीय समीकरण जटिल है। एनडीए को ब्राह्मण और क्षेत्रीय वोटों को बनाए रखने के साथ-साथ इब्राहीमी और राजपूत वोटों पर नुकसान हो सकता है।

मिथिलांचल के विकास पर जोर

केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार लगातार मिथिलांचल पर सौनारों को केंद्र से सेवा देती रही है। इनमें जीवेश मिश्र, संजय सरावानी, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद और विजय कुमार मंडल शामिल हैं। पार्टी को उम्मीद है कि इनके मंत्री बनने से विधानसभा चुनाव में लाभ मिलेगा।

तेजस्वी ने भी किया मिथिलांचल दौरा

पिछले साल तेजस्वी यादव ने

की वारिश कर रही है।

इनमें सदूक, रेल परियोजना, दरभंगा एवं मैथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है। ये केंद्रीय मिथिलांचल की प्रधानमंत्री ने जीवेश मिश्र, संजय सरावानी, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद और विजय कुमार मंडल शामिल हैं। इन पक्ष से ही मिथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है।

पिछले साल तेजस्वी यादव ने

की वारिश कर रही है।

इनमें सदूक, रेल परियोजना, दरभंगा एवं मैथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है। ये केंद्रीय मिथिलांचल की प्रधानमंत्री ने जीवेश मिश्र, संजय सरावानी, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद और विजय कुमार मंडल शामिल हैं। इन पक्ष से ही मिथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है।

पिछले साल तेजस्वी यादव ने

की वारिश कर रही है।

इनमें सदूक, रेल परियोजना, दरभंगा एवं मैथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है। ये केंद्रीय मिथिलांचल की प्रधानमंत्री ने जीवेश मिश्र, संजय सरावानी, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद और विजय कुमार मंडल शामिल हैं। इन पक्ष से ही मिथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है।

पिछले साल तेजस्वी यादव ने

की वारिश कर रही है।

इनमें सदूक, रेल परियोजना, दरभंगा एवं मैथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है। ये केंद्रीय मिथिलांचल की प्रधानमंत्री ने जीवेश मिश्र, संजय सरावानी, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद और विजय कुमार मंडल शामिल हैं। इन पक्ष से ही मिथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है।

पिछले साल तेजस्वी यादव ने

की वारिश कर रही है।

इनमें सदूक, रेल परियोजना, दरभंगा एवं मैथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता है। ये केंद्रीय मिथिलांचल की प्रधानमंत्री ने जीवेश मिश्र, संजय सरावानी, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद और विजय कुमार मंडल शामिल हैं। इन पक्ष से ही मिथिलांचल की विशेषता को समझा जा सकता ह

